aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2016 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2016	Question Paper	Hindi Typing	28 Feb 2016

SHIFT
Shift 2

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 28th Feb Shift 2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2016-02-28 11:23:37
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	55813925
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	55813925
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	55813925
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 55813925 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। एक दिन उसने बारासिंघ का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा। अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	55813926
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	55813926
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	55813926
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 55813926 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

गांधी जी की शांति की परिभाषा संघर्ष के बगैर नहीं थी। दरअसल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में गोरों के शासन के विरूद्ध संघर्ष में बुद्धिमानी से उनका नेतृत्व किया था। इसके बाद 1915 में भारत वापस आने पर गांधी जी ने समाज सुधारक के साथ, अस्पृश्यता और अन्य सामाजिक बुराइयों के विरूद्ध दीर्घदर्शक के रूप में अहिंसा का इस्तेमाल किया। बाद में उन्होंने राजनीतिक परिदृश्य तक इसका विस्तार किया और दीर्घकाल में अपने प्रेम, शांति और आपसी समायोजन के संदेश को हिंदू मुस्लिम भाई-चारे के लिए इस्तेमाल किया। उनका मशहूर भक्ति गीत रामधुन - 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम' अब भी हिंदू-मुस्लिम शांति के लिए राष्ट्र का श्रेष्ठ गीत है। यह हमें इस बहस में ले जाता है कि गांधी जी के लिए शांति का क्या मतलब था। जी हां, कोई कह सकता है कि व्यापक तौर पर उनके लिए शांति का अपने आप में कोई अंत नहीं था। इसके बजाय यह सिर्फ मानवता का बेहतर कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक माध्यम थी। वस्तुत: महात्मा गांधी सत्य के अग्रदूत थे। दरअसल उन्होंने खुद भी कहा था कि शांति की तुलना में सच्चाई ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में यंग इंडिया अखबार में महात्मा गांधी के निम्नलिखित शब्द उदाहरण के लिए प्रस्तुत किये जाते हैं, जो बिलकुल प्रासंगिक हैं। महात्मा गांधी ने लिखा है - हालांकि हम भगवान की शान में जोर-जोर से गाते हैं और पृथ्वी पर शांत रहने के लिए कहते हैं, लेकिन आज न तो भगवान के प्रति वह शान और न ही धरती पर शांति दिखाई देती है। महात्मा गांधी ने यह शब्द दिसंबर 1931 में लिखे थे। 17 वर्ष बाद जनवरी 1948 में एक क्रूर हथियारे की गोली से उनका स्वर्गवास हो गया। यह बहुत दर्दनाक था कि सार्वभौमिक शांति और अंहिसा का संत हिंसा और घृणा का शिकार बना। लेकिन 2010 के आज के दौर में भी महात्मा गांधी के सन 1931 के शब्द सत्य हैं। आज दुनिया बहुत से और हर प्रकार के विवादों का सामना कर रही है, इसलिए हम देखते हैं कि सार्वभौमिक भाईचारे और शांति और सहअस्तित्व के बारे में गांधी जी का बल आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। इसलिए उनकी शिक्षाएं आज भी देशभक्ति के सिद्धांत के साथ-साथ विभिनन वैश्विक विवादों को हल करने या समाप्त करने के मार्ग और माध्यम सुझाती हैं। दरअसल गांधी जी की शिक्षाओं का सच्चा प्रमाण इस तथ्य में निहित है कि सिर्फ अच्छाई समाप्त होती है, वह बुरे माध्यमों को तर्क संगत नहीं ठहराती। इसलिए आज दुनियाभर में मानव प्रतिष्ठा और प्राकृतिक न्याय के मूल्य को बनाए रखने पर बल दिया जाता है। यह स्पष्ट है कि आज की दुनिया में शांति के संकट के सिवाए कुछ भी स्थाई नजर नहीं आता तथा शांति के इस मसीहा को इससे बेहतर श्रद्धांजलि और कुछ नहीं होगी कि शांति और आपसी सहनशीलता के हित में काम किया जाए। यही गांधीवाद की प्रासंगिकता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript